Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-03-2006

Participants : Yadav Dr. Karan Singh

an>

Title : Situation arising out of the financial burden being faced by the poor due to sale of medicines at old and higher rates by the pharmaceutical companies despite the notification by the Government reducing the prices of medicines.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, मिनिस्ट्री ऑफ केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स के अंतर्गत आने वाली नेशनल फार्मास्युटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी ने 16 दिसम्बर को एक नोटीफिकेशन जारी करके 280 दवाइयों के मूल्य घटाने के निर्देश दिए थे। इसमें ज्यादातर एंटीबायोटिक्स, पेन किलर्स और कोर्टीको स्टिरॉयड्स थीं। मगर बहुत खेद के साथ कहना पड़ता है कि छः माह गुजर जाने के बाद भी इस आदेश का कम्पनियों पर कोई असर नहीं हुआ और यह दवाइयां आज भी पुरानी कीमतों पर, जो लगभग दुगुनी या तिगुनी हैं, बेची जा रही हैं। छोटी-मोटी कम्पनियों ने खास तौर से अपनी दवाइयों की कीमतों में कमी की है, लेकिन बड़ी कम्पनियां जैसे रैनबैक्सी, सिपला, डा. रेड्डीज़ लेबोरेटरीज़ वे कम्पनियां हैं जो एंटीबायोटिक्स, विटामिन्स और कॉर्टीज़ोन प्रोड्यूस करती हैं और बाज़ार में उनकी कीमतें दुगुनी या तिगुनी हैं। सरकार के उस आदेश, गज़ट नोटीफिकेशन, प्राइसिंग अथॉरिटी का इन कम्पनियों पर कोई असर नहीं हुआ।

मैं आपके माध्यम से माननीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइज़र्स मिनिस्ट्री का ध्यान दिलवाना चाहता हूं कि सिर्फ आदेश देने से कीमतें कम नहीं होंगी, उनके ऊपर प्रभावी नियंत्रण किया जाए जिससे लोगों को सस्ती द वाइयां मिल सकें।